ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-४६
दिनांक- मंगलवार, ०५ जुलाई, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.8 एवं 26.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 69 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.9 एवं दोपहर में 38.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 0.6 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(06–10 जुलाई, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 06–10 जुलाई, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में हल्के बादल छाये रह सकते है। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा की सम्भावना नही है। आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। **हलाकि एक– दो जिलों (जैसे–पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण) के कुछ स्थानों पर ७–८ जुलाई के आसपास हल्की वर्षा हो सकती है।**
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 35–37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की सम्भावना है जबकि न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 8 से 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में अच्छी वर्षा की सम्भावना नही है। अतः जो किसान भाई धान की रोपाई कर चुके हो वो सिंचाई का प्रबंध करके सिंचाई करे जिससे फसल पर बुरा प्रभाव न पड़ सके।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य 10 जुलाई तक सम्पन्न अवष्य कर लें। धान की अगात किस्में जैसे–प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत–4,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुषसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। 10 से 12 दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर–पतवार निकालें।
- जिन क्षेत्रों में हल्की वर्षा हुई है, वहॉ ऊचॉस जमीन में सुर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। मोरडेन, सुर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक सुर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद है जबकि के0 बी0एस0एच0–1, के0 बी0एस0एच0–44 सुर्यमुखी की संकर प्रभेद है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 100 क्विन्टल कम्पोस्ट, 30–40 किलो नेत्रजन, 80–90 किलो स्फुर एवं 40 किलो पोटाष का व्यवहार करें। बुआई के समय किसान 30–40 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार कर सकते है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम तथा संकुल के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े 15 से 20 दिनो के हो गये हो, में खर–पतवार निकालें। पौधशाला को धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए 40% छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। कीट–व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- उचॉस जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस,20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुषसित है। बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- आम का बाग लगाने का यह समय अनुकुल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग–अलग समय में पकने वाली किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दषहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिष्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाषंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगडा राजेंद्र आम–1, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुषंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दूरी 10 मीटर, बीजु के लिए 12 मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को 2.5X2.5 मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- पहले से तैयार गढ़ों में फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का कार्य करें। पौधों को दीमक तथा सफेद लट कीट से वचाव हेतु 5 मी0ली0 क्लोरपाइरीफॉस दवा 1 ली0 पानी में मिलाकर पौधा लगाने के बाद गढ़े में दे।
- किसान भाई गौषाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओ के निवास स्थान की साफ–सफाई करते रहे। दूधारू पशुओं को हरे चारे के साथ–साथ सूखा चारा (50:50) के अनुपात में खिलायें तथा 20–30 ग्राम खनिज मिश्रण व नमक प्रतिदिन दें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी